I

साख सृजन
(Credit Creation)

आधुनिक युग में बैंक जमा या साख-सृजन का बड़ा ही महत्वपूर्ण स्थान है। साख-सृजन व्यावसायिक बैंकों द्वारा किया जाता है। व्यावसायिक बैंक, साधारणतया, निम्नांकित तरीके से साख का सृजन करते हैं:→

(1) नगद मुद्रा जमा के रूप में स्वीकार कर:→

सर्वप्रथम व्यापारी ग्राहकों से नकद मुद्रा जमा के रूप में प्राप्त कर व्यावसायिक बैंक जमा का सृजन करते हैं। ग्राहक बैंक में नकद मुद्रा अतिरिक्त सुरक्षित रखने या चेक के द्वारा भुगतान की सुविधा के उद्देश्य से जमा करते हैं। जब कोई भी व्यक्ति बैंक के यहाँ नकद मुद्रा के रूप में जमा करता है तो यह बैंक का साधन हो जाता है। इसके बदले बैंक अपने ग्राहक के खाते में उतनी ही रकम जमा कर लेता है जिससे उसके दायित्व में भी वृद्धि हो जाती है।

(2) आपने ग्राहकों को ऋण देकर:— बैंक अपने ग्राहकों को ऋण देकर भी साख अथवा जमा का सृजन करते हैं। उदाहरण के लिए, जब कोई बैंक किसी व्यक्ति को 100 रु० का ऋण प्रदान करता है तो वह अपनी तिजोरी खोलकर उसे 100 रु० नकद मुद्रा के रूप

Page No.:
Date: / /

में नहीं देता। वह ऋण की रकम ऋणी के खाते में जमा कर देता है। ऋणी इस रकम को अपनी सुविधानुसार चैक द्वारा खर्च करता है। बैंकों द्वारा ऋण देने का यही तरीका सर्वाधिक प्रचलित है। अतः यह कहा जाता है कि बैंक का "प्रत्येक ऋण जमा या साख का सृजन करता है।"

(3) सरकारी प्रतिभूतियाँ, किसी कम्पनी के हिस्से एवं ऋण-पत्रों अथवा अन्य सम्पत्ति आदि खरीदकर।— किन्तु केवल ऋण देकर ही बैंक जमा का सृजन नहीं करते। जब कोई भी बैंक किसी व्यक्ति से 100 रु० की प्रतिभूतियाँ अथवा किसी कम्पनी के हिस्से एवं ऋण-पत्र आदि खरीदता है तो वह बेचनेवाले को 100 रु० की रकम नकद मुद्रा के रूप में नहीं देकर उतनी रकम बेचनेवाले के खाते में जमा कर देता है। इससे भी बैंक के जमा में 100 रु० की वृद्धि होती है। इसके लिए कोई आवश्यक नहीं है कि विक्रेता उसी बैंक का ग्राहक हो, क्योंकि यदि वह व्यक्ति उस बैंक विशेष का ग्राहक नहीं भी है तो वह अपने 100 रुपये को किसी बैंक ही जमा करेगा। इससे भी बैंकों के कुल जमा में वृद्धि होगी। प्रतिभूतियों अथवा किसी कम्पनी के हिस्सों के खरीद के सम्बन्ध में जो बात ठीक पायी जाती है, बैंक द्वारा किसी भी

सम्पत्ति अथवा जायदाद के खरीद के सम्बन्ध में भी ठीक वही बात पायी जाती है। उदाहरण के लिए, जब बैंक कोई मकान, जमीन या किसी अन्य प्रकार के सम्पत्ति को खरीदता है तो वह चेक द्वारा ही उसका भुगतान करता है। इससे भी जमा की रकम बढ़ जाती है। वास्तव में बैंक ऐसी स्थिति में रहता है कि वह अपने (I.O.U.) को देकर अपनी आवश्यकता की कोई भी वस्तु बाजार से प्राप्त कर सकता है, क्योंकि बैंक के (I.O.U.) मुद्रा की तरह ही मान्य होते हैं।

इस प्रकार बैंक अपने साधनों (Assests) के आधार पर ही जमा अथवा साख का सृजन करता है। बैंक के साधन भी कई प्रकार के होते हैं जिनमें निम्नलिखित विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं। —

(a) नकद मुद्रा (Cash),

(b) ऋण एवं अग्रिम (Loans and Advances),

(c) बट्टा की गई बिलें (Bills Discounted), तथा

(d) विनियोग (Investment)

नकद मुद्रा जमा के रूप में प्राप्त कर भी बैंक साख का सृजन करते हैं।

Scanned with CamScanner

इस प्रकार, व्यावसायिक बैंक विभिन्न तरीकों से साख का सृजन करते हैं। बैंक-जमा व्यावसायिक बैंकों का दायित्व है जिसका सृजन वह अपने साधनों में वृद्धि कर ही करता है।

समाप्त

Scanned with CamScanner